



सब का सपना



शिक्षक विधायक हरि सिंह दिल्ली के नामांकन पर समर्थकों एवं

पेज: 3

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आयुष्मान ने बताया फिल्मों की सफलता का राज

पेज: 8

वर्ष : 02

अंक : 182

मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

रांची में बहुमंजिला इमारत के ऑफिस में लगी भीषण आग, 1.25 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति खाक

रांची, पांच अक्टूबर झारखंड के रांची जिले में सोमवार को एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग एजेंसी के दफ्तर में भीषण आग लग गई जिससे करीब 1.25 करोड़ रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आग डोरण्डा थाना क्षेत्र के हिन्नु स्थित इमारत की तीसरी मंजिल पर बने कार्यालय में सुबह साढ़े आठ से नौ बजे के बीच लगी। उसने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आग लगने की वजह शॉट सफ़िट मानी जा रही है। डोरण्डा थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने कहा, सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दो घंटे को कड़ी मशकत के बाद पूर्वाह्न करीब 11 बजे आग पर काबू पा लिया गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हादसे में 1.25 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

भारत, स्विट्जरलैंड व्यापार संबंध बढ़ाने पर सहमत; प्रवासन और आवाजाही से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्विस राष्ट्रपति गी पार्लो के बीच वार्ता के बाद, भारत और स्विट्जरलैंड ने सोमवार को आब्रजन और आवाजाही साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, उन्होंने भारतीय निर्यात के लिए स्विस बाजार तक पहुंच बढ़ाने और परमाणु ऊर्जा व रक्षा क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमति जताई। राष्ट्रपति पार्लो सोमवार सुबह तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। यह उनकी इस देश की पहली आधिकारिक यात्रा है। हालांकि, इस वर्ष वह दूसरी बार भारत आए हैं। वह इससे पहले फरवरी में आयोजित एआई इपैक्ट शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। अपने मीडिया बयान में पीएम मोदी ने कहा कि स्विट्जरलैंड में भारतीय निर्यात के लिए बाजार तक



पहुंच बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को और आसान बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। पीएम मोदी ने कहा कि टीईपीए निवेश, नवाचार, रोजगार और साझा समृद्धि के लिए एक महत्वाकांक्षी

खाका है। उन्होंने कहा, इसके माध्यम से, हम अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार के अपने लक्ष्यों को साकार करेंगे प्रधानमंत्री ने नवाचार, बुनियादी

ढांचे और उन्नत प्रौद्योगिकी को भारत-स्विट्जरलैंड साझेदारी के मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि दोनों पक्ष सहभागिता को नई गति देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने स्विट्जरलैंड में भारतीय निर्यात के

पीएम मोदी ने अगले साल एआई शिखर सम्मेलन

पीएम मोदी ने अगले साल एआई शिखर सम्मेलन के अगले संस्करण की मेजबानी करने के लिए स्विट्जरलैंड को भी अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, इस साल फरवरी में, भारत ने दुनिया के सबसे बड़े एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। अगले साल, स्विट्जरलैंड जिनेवा एआई शिखर सम्मेलन के माध्यम से इस यात्रा को आगे बढ़ाएगा।

लिए बाजार तक पहुंच का विस्तार करने और दोनों देशों के बीच निवेश को और सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा, इससे स्विट्जरलैंड को भारत के कृषि, दवा, वस्त्र और इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि होगी। साथ ही, हम जैवप्रौद्योगिकी, जीव विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और स्थिरता जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नए स्विस निवेश को आकर्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि इन पहलों के माध्यम से, हम पूरी दुनिया के लिए विश्वसनीय आपूर्ति

शृंखलाओं और भरोसेमंद समाधानों का संयुक्त रूप से विकास करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने परमाणु ऊर्जा में सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताने के अलावा सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उत्पादन में सहयोग के लिए नयी संभावनाओं की पहचान की। उन्होंने जेवर हवाईअड्डा, और पहाड़ी क्षेत्रों में रेलवे तथा सुरंग निर्माण परियोजनाएं हमारे बुनियादी ढांचे के सहयोग के शानदार उदाहरण हैं। फर्-रवहन और बुनियादी ढांचे पर

सहयोग के लिए भी एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। पीएम मोदी ने कहा, हम स्विस बुनियादी ढांचा कंपनियों को भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करने और क्षमता निर्माण, डिजाइन तथा विनिर्माण में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। प्रधानमंत्री ने भारत-स्विट्जरलैंड विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग को संबंधों का एक मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में नई संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं जल्द शुरू की जाएंगी।

सीट शेयरिंग पर कांग्रेस सीधे सपा चीफ अखिलेश यादव से करे बात, धर्मेन्द्र यादव ने दी नसीहत

लखनऊ: समाजवादी पार्टी के नेता धर्मेन्द्र यादव ने कांग्रेस नेताओं से अपील की है कि वे सीट-शेयरिंग की मांगों पर मीडिया में चर्चा करने के बजाय सीधे सपा प्रमुख अखिलेश यादव से बात करें। 5 अक्टूबर, 2025 को बोलते हुए, धर्मेन्द्र यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि मैं अपने कांग्रेस सहयोगियों से कहूंगा कि जिन सीटों पर वे जीत सकते हैं, उस बारे में मीडिया में बात न करें। इसे मीडिया में लाने की कोई जरूरत नहीं है। अगर वे हमारे नेता के सामने सीधी तरीके से अपनी बात रखें, तो पूरा देश हमारे नेता के बारे में जानता है; वे बहुत बड़े दिल वाले नेता हैं। लेकिन मैं अपने कांग्रेस सहयोगियों से कहूंगा कि वे मीडिया में बयान



देना बंद करें। सीटों के लिए कांग्रेस की मांग पर यादव ने कहा कि यह फैसला सपा के शीर्ष नेतृत्व को करना है। उन्होंने कहा कि हमें कोई उलझन नहीं है। समाजवादी पार्टी के हर नेता, हर कार्यकर्ता और हर वोटर को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पूरा भरोसा है। उत्तर प्रदेश और

समाजवादी पार्टी का हर व्यक्ति जानता है कि आदरणीय अखिलेश यादव जी जो भी फैसला लेंगे, वह निश्चित रूप से पार्टी के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश और देश के हित में होगा। इसलिए हम इन चर्चाओं में नहीं उलझ रहे हैं। यह काम कांग्रेस के लोगों ने अपने हाथ में लिया है।

धर्मेन्द्र यादव ने जमीनी स्तर पर चल रही तैयारियों का भी जिक्र किया और कहा कि उत्तर प्रदेश में आदरणीय अखिलेश जी के नेतृत्व में राज्य के हर वर्ग, हर जाति और हर धर्म के लोग, खासकर पीडीए समुदाय के लोग, पूरी तरह से संकल्पित हैं। लोग वोटिंग के उस पल और उस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब वे भारतीय जनता पार्टी को उखाड़ फेंकेंगे। अखिलेश यादव के हालिया बयान का जिक्र करते हुए कि मुझे "सीटों का नहीं, बल्कि जीत का है," उन्होंने बीजेपी को हराने और सरकार बदलने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक है, क्योंकि बीजेपी को हराना है, सरकार बदलनी है; देश भर के लोगों की उम्मीद, आकांक्षा और भरोसे का केंद्र अखिलेश यादव हैं।

यूपी राज्यसभा: 10 सीटों का नंबर गेम, क्या क्रॉस-वोटिंग बिगाड़ेगी सपा-बीजेपी का खेल?

लखनऊ: भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की दस खाली सीटों के लिए होने वाले चुनाव की तैयारी कर रही हैं। बीजेपी के पास सात सीटों के लिए जरूरी संख्या बल है, फिर भी पार्टी ने आठ उम्मीदवार उतारे हैं और निर्दलीय या संभावित क्रॉस-वोटिंग से अतिरिक्त समर्थन पाने की कोशिश कर रही है। वहीं, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी तीसरी सीट जीतने की कोशिश में है; इसके लिए वह राष्ट्रीय लोक दल और स-हुलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे सहयोगी दलों के नाराज विधायकों से क्रॉस-वोटिंग की उम्मीद कर रही है। राज्यसभा की हर सीट के लिए 37 वोटों की जरूरत होती है, जिससे एनडीए और विपक्ष के बीच



एक कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है, जिस पर सबकी नज़रें टिकी हैं। बीजेपी ने उत्तर प्रदेश से होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए आठ नामों का ऐलान किया है। इसमें जातिधर्म के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश की गई है और संकेत दिया गया है कि 16 अक्टूबर को कम से कम एक सीट पर चुनाव हो सकता है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का नाम

सूची में नहीं है, जबकि उनके नाम की उम्मीद थी; इससे केंद्र में भी फेरबदल के संकेत मिलते हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के नाम भी सूची से गायब हैं, जबकि उनके शामिल होने की उम्मीद थी। आज घोषित उम्मीदवारों में राज्य मंत्री धर्मपाल सिंह, वकील राधाकांत ओझा, राज्य ओबीसी मोर्चा के

अध्यक्ष प्रकाश पाल, पूर्व सांसद विशासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडे, पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत, राज्य महासचिव राम प्रताप सिंह चौहान और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की बेटी शुक्ति गंगवार शामिल हैं। राज्य में 16 अक्टूबर को दस सीटों के लिए चुनाव होने हैं।

बीजेपी का सात सीटें जीतना तय है और वह आठवीं सीट के लिए भी कोशिश कर रही है। सुर्जों के मुताबिक, समाजवादी पार्टी, जिसने पहले ही दो उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं, एक तीसरा उम्मीदवार भी मैदान में उतार सकती है। सभी आठ उम्मीदवार कल सुबह 11.30 बजे लखनऊ में अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

यूपी की ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी का होगा विस्तार, सीएम योगी ने की घोषणा

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीण इलाकों में डिजिटल लर्निंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टेक्नोलॉजी पर आधारित एजुकेशन हब, कॉम्पिटिव एजमाज की तैयारी करने वालों के लिए शहरी और ग्रामीण इलाकों के बीच की खाई को कम कर रहे हैं। जनता दर्शन (जनता की शिकायतों के समाधान का कार्यक्रम) के दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम के तौर पर ग्राम सचिवालयों में डिजिटल लाइब्रेरी बनाने का जिक्र किया। " पर एक पोटेंट में उन्होंने कहा कि अब शहर की दूरी शिक्षा में बाधा नहीं बनेगी। गांवों में ज्ञान का डिजिटल दरवाजा खुल रहा है। जब भी किसी गांव के बच्चे को कॉम्पिटिव एजमाज की तैयारी करनी होती थी, तो उसे किताबों और बेहतर रिसोर्स के लिए शहर की ओर देkhना पड़ता था। इस दूरी में समय और पैसा दोनों खर्च



होते थे। अब बहराइच के तेजवापुर ब्लॉक के खसाहा मोहम्मदपुर में डिजिटल लाइब्रेरी ने इसी दूरी को खत्म कर दिया है। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि ये लाइब्रेरी पारंपरिक पढ़ाई के तरीकों और आधुनिक टेक्नोलॉजी को एक ही जगह पर लाती हैं। उन्होंने लिखा कि ग्राम पंचायत सचिवालय में बनी यह लाइब्रेरी किताबें और कंप्यूटर, पारंपरिक पढ़ाई के तरीके और आधुनिक टेक्नोलॉजी, सभी को एक ही छत के नीचे ला रही है। इन सुविधाओं में कंप्यूटर, प्रिंटर, हाई-स्पीड इंटरनेट, वाई-फाई, स्मार्ट टीवी और सीसीटीवी जैसी सुविधाएं हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों के साथ-साथ नेशनल बुक ट्रस्ट का साहित्य भी उपलब्ध है। यानी, चाहे आपको पढ़ने के लिए किताबें चाहिए, हों या तैयारी के लिए डिजिटल कंटेंट, दोनों ही अब गांव में ही मिल रहे हैं। इसके फायदों के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संसाधन अब पास में होने से सपनों को पूरा करने का रास्ता भी आसान हो गया

नेशनल बुक ट्रस्ट के साथ साझेदारी के जरिए किताबें और साहित्य उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि यहां कंप्यूटर, प्रिंटर, हाई-स्पीड इंटरनेट, वाई-फाई, स्मार्ट टीवी और सीसीटीवी जैसी सुविधाएं हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों के साथ-साथ नेशनल बुक ट्रस्ट का साहित्य भी उपलब्ध है। यानी, चाहे आपको पढ़ने के लिए किताबें चाहिए, हों या तैयारी के लिए डिजिटल कंटेंट, दोनों ही अब गांव में ही मिल रहे हैं। इसके फायदों के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संसाधन अब पास में होने से सपनों को पूरा करने का रास्ता भी आसान हो गया

नंदीग्राम में ममता का पैर नहीं टूटा था, मेडिकल रिपोर्ट लीक, अस्पताल को कानूनी नोटिस

बंगाल: पश्चिम बंगाल में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मेडिकल रिकॉर्ड कथित तौर पर लीक होने के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री के निजी मेडिकल रिकॉर्ड और उनके इलाज से जुड़े गोपनीय दस्तावेजों के कथित तौर पर बिना इजाजत सार्वजनिक किए जाने को लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है; उनके वकील ने रडट अस्पताल प्रबंधन और राज्य स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारियों को सीधे कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि ममता बनर्जी के इलाज से जुड़ी संवेदनशील जानकारी और मेडिकल रिपोर्ट बिना इजाजत सार्वजनिक की गई। नोटिस के अनुसार, इस तरह का खुलासा मेडिकल गोपनीयता कानूनों और डॉक्टरों पर लागू पेशेवर आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन है। यह कानूनी नोटिस तब आया है जब

राज्य के नेता सुबेंदु अधिकारी ने हाल ही में मेडिकल दस्तावेज दिखाए और आरोप लगाया कि मार्च 2021 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी के पैर में कोई फ्रैक्चर नहीं हुआ था। बनर्जी ने कानूनी नोटिस के जरिए इन दावों का विरोध किया है। अधिकारी ने 2021 के नंदीग्राम चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी को लगी चोट से संबंधित मेडिकल रिपोर्ट का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल के रिकॉर्ड में उनके पैर में फ्रैक्चर या डिसलोकेशन का कोई सबूत नहीं मिला।

नेता ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी। तृणमूल कांग्रेस ने सुबेंदु अधिकारी के दावों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पार्टी ने इन आरोपों को बेवुनियाद बताया और आरोप लगाया कि ये उपचुनावों को प्रभावित करने की कोशिश थी।

सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद राहुल गांधी का सीईसी झानेश कुमार पर हमला, लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। वोटर लिस्ट के 'सेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) को लेकर विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग को नोटिस जारी किए जाने के बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी ने सोमवार को झानेश कुमार के खिलाफ अपना रुख और कड़ा कर लिया। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और लोकतंत्र पर आपराधिक हमले (जैसा कि उन्होंने इसे बताया) में शामिल अन्य सभी लोगों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा स-सद गांधी ने कहा कि कुमार भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर अपने पद का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के प्रमुख ने जानबूझकर और कर दिया है। पार्टी ने इन आरोपों को बेवुनियाद बताया और आरोप लगाया कि ये उपचुनावों को प्रभावित करने की कोशिश थी।



अब यह बात बिना किसी शक के साबित हो चुकी है कि झानेश कुमार ने गैर-कानूनी और एकतरफा तरीके से 'फॉर्म 6' में बदलाव किया। यह इस बात का एक और सबूत है कि उन्होंने बीजेपी की मदद करने के लिए अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। उन्हें और हमारी लोकतंत्र पर हुए इस आपराधिक हमले में शामिल सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। गांधी की यह टिप्पणी तब आई जब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को एक याचिका पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में कुमार के फैसलों को चुनौती दी गई थी; आरोप है कि

उन्होंने ये फैसले दो चुनाव आयुक्तों - सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी - की मंजूरी के बिना लिए थे। चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया था। यह नोटिस तीन जलों की बेंच ने जारी किया, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना शामिल थे। याचिका में कहा गया, "निर्देश दिया जाए कि प्रतिवादी नंबर 3 इस याचिका की अंतिम सुनवाई तक भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर काम न करें; निर्देश दिया जाए

राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार, चेक बाउंस मामले में रकम न चुकाने पर जताई नाराजगी

नयी दिल्ली, पांच अक्टूबर उच्चतम न्यायालय ने चेक बाउंस के लंबे समय से जारी कई मामलों में एक निजी कंपनी के बकाये की रकम जमा करने का अपना वादा पूरा नहीं करने पर सोमवार को अभिनेता राजपाल यादव को कड़ी फटकार लगाई। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना को पीठ ने 15 सितंबर को यादव को दो सप्ताह का आखिरी मौका देते हुए निजी कंपनी को बकाया रकम चुकाने के लिए ठोस प्रस्ताव देने और शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में दो करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया था। सोमवार

को अदालत ने इस बात पर नाराजगी जताई कि दो सप्ताह की अवधि खत्म होने के बावजूद पांच अक्टूबर तक कोई भुगतान नहीं किया गया है। सुनवाई के दौरान यादव के वकील ने कहा, वे (शिकायतकर्ता) गरीब नहीं हैं। इस पर न्यायमूर्ति बागची नाराज हो गए और कहा, झूठहो सकता है कि वे आपसे अधिक अमीर हों, लेकिन आपने रकम उनसे हड़पी है... इस अहंकार को सही जगह दिखानी होगी। आपको पता होना चाहिए कि कब मुंह खोलना है। आपकी जगह जेल में है। लहलहा पीठ ने निर्देश दिया कि मंगलवार तक भुगतान किया जाए और मामले को



बुधवार को सुनवाई के लिए पहले मामले के रूप में सूचीबद्ध किया। पीठ ने कहा कि वह यादव को अपील खारिज कर सकती है,

लेकिन ऐसा करने से शिकायतकर्ता के लिए रकम वसूलने की संभावना प्रभावित हो सकती है, इसलिए वह ऐसा करने से हिचक रही है। पीठ ने

कहा कि यादव को सोमवार तक भुगतान करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसका पालन नहीं किया। यादव के वकील ने 50 लाख

उच्चतम न्यायालय ने चेक बाउंस के कई मामलों में बकाया रकम का भुगतान न करने पर सोमवार को अभिनेता राजपाल यादव को सख्त चेतावनी दी। पीठ ने कहा कि दो सप्ताह की मियाद बीतने के बाद भी रजिस्ट्री में दो करोड़ रुपये जमा नहीं किए गए।

रुपये के डिमांड ड्राफ्ट की एक प्रति पेश की और कहा कि बैंक में ड्राफ्ट की प्रक्रिया जारी है। पीठ ने कहा, यह असली है या नहीं? हमें नहीं पता। वकील ने जब कहा कि डिमांड ड्राफ्ट बैंक के पास है और उसकी प्रक्रिया जारी है, तो शिकायतकर्ता के वकील ने अभिनेता पर अदालत के निर्देशों का बार-बार पालन नहीं करने का आरोप लगाया। शिकायतकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत

सिन्हा ने कहा, वह फिल्म अभिनेता हैं। यहां भी अभिनय कर रहे हैं। उन्हें इस संस्था की गरिमा का कोई सम्मान नहीं है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि यादव ने 2010 में एक फिल्म के लिए उन्हें दी गई पांच करोड़ रुपये की वित्तीय मदद के निपटारे के लिए 2013 में 1.05 करोड़ रुपये के सात चेक दिए थे। कंपनी ने आरोप लगाया कि उक्त चेक बाउंस हो गए। शिकायतकर्ता

के अनुसार, 2012 में दोनों पक्षों के बीच हुए एक समझौते में यादव, उनकी पत्नी और उनकी कंपनी ने ब्याज समेत करीब 11 करोड़ रुपये चुकाने पर सहमति जताई थी। शीर्ष अदालत ने 15 सितंबर को यादव को आत्मसमर्पण करने से मिली छूट को पांच अक्टूबर तक बढ़ा दिया था। पीठ ने तब कहा था, वह नाटक करने में माहिर है... अदालत के पहले के आदेशों का पालन नहीं किया गया है। पीठ ने कहा था कि यादव के आचरण से विश्वास पैदा नहीं होता, लेकिन उन्हें आखिरी मौका दिया जा रहा है।

संपादकीय

एशियाई खेलों में भारत

हम संतोष कर सकते हैं कि एशियाई खेलों में भारत चौथे स्थान पर रहा है। इस प्रतिष्ठित खेल स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 85 पदक जीते। जिसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। आइची-नागोया में संपन्न एशियाई खेलों के आखिरी दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने दमखम दिखा कर सोने के तमगों की संख्या बढ़ाई है। निस्संदेह, कह सकते हैं कि हम एशिया में पहले चार देशों में शुमार हैं। लेकिन यहां सवाल यह है कि भले ही हम चौथे स्थान पर रहे हैं, लेकिन इन खेलों में नंबर एक व दो रहे चीन व जापान के आगे हम कहां खड़े हैं? इस बार भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह भी सोचने को मजबूर किया कि आने वाले कुछ दशकों में भारत ओलंपिक की दावेदारी में कहां ठहरता है? वैसे इस बार के एशियाई खेलों से जुड़ी कुछ सुखद स्मृतियां भी हैं, मसलन तीरंदाजी में हमने नो मेडल जीते हैं। जिसमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं। सुखद यह भी है कि कुमुकुम मोहोद रिक्वर्व कैटेगरी में भारत की पहली व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करने वाली खिलाड़ी बनीं। भारतीय खिलाड़ियों को बॉक्सिंग और रेसलिंग में क्रमशः तीन और दो स्वर्ण पदक मिले। वहीं दूसरी ओर प्रणवी उसं एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। वहीं दूसरी ओर इस बार भी भारतीय खिलाड़ियों ने क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में अपना वर्चस्व कायम रखा। महिला हॉकी में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि बहुत खास रही। उन्होंने अनुशासन और ऊंचे मनोबल के साथ बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने मौजूद चौपियन चीन को हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का 44 साल का हमारा इंतजार खत्म किया। लेकिन हमारे खिलाड़ी एथलेटिक्स में हमारी उम्मीदों पर खरे नहीं उठे। एकमात्र स्वर्ण महिलाओं की 4७ 400 मीटर रिले रेस में हासिल हुआ। निशानेबाजों का प्रदर्शन भी उत्साह जगाने वाला नहीं रहा। इस बार हमें, पिछले ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने निराश किया। वह इस बार खाली हाथ लौटी हैं। वैसे पिछली बार चीन में हुए एशियाई खेलों से तुलना करें तो इस बार हमारा प्रदर्शन फीका रहा। तब हमने 28 स्वर्ण पदकों के साथ 106 मेडल जीते थे। इस बार सात स्वर्ण समेत कुल 21 पदकों की कमी, हमारे खेल नीति-नियंताओं के लिये एक चेतावनी जैसी है। हालांकि, यह वक्त हमारे लिये नागोया में मिली कामयाबियों का जश्न मनाने का है। लेकिन हमें अपनी कमजोरियों को लेकर भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत में खेलों का भविष्य चंद खिलाड़ियों की कामयाबी से तय नहीं किया जा सकता है। हमें एशियाड के बाद ओलंपिक के लिये युद्ध स्तर पर तैयारियां करनी होंगी। इस कामयाबी के लिये नई प्रतिभाओं की पहचान, विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, मानसिक रूप से सशक्त खिलाड़ी तैयार करने तथा विश्वस्तरीय सपोर्ट सिस्टम बनाने की जरूरत होगी। इन एशियाई खेलों ने हमें हकीकत का आईना दिखाया है। अब हम अभी से वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स के ओलंपिक खेलों की तैयारी में जुट

चिंतन-मन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते। बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कर्नाई को अहिंसक नहीं बना सकते।...

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



तनवीर जाफ़री

पंजाब राज्य का भारतीय कृषि उत्पादन और देश की खाद्य सुरक्षा में सबसे अहम योगदान है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 1.5% हिस्सा होने के बावजूद, पंजाब को भारत का अन्न भंडार और भारत की खाद्य टोकरी कहा जाता है। भारत सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले कुल गेहूं का लगभग 4६% हिस्सा



योगेश कुमार गोयल

एसआईआर, फॉर्म-6 और सवालों के घेरे में चुनावी विश्वास...
मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 2, 3 और 4 अक्तूबर को दिल्ली में हुए प्रदर्शनों, बड़ी संख्या में लोगों की हिरासत, भारी सुरक्षा व्यवस्था और केंद्रीय दिल्ली के कई मार्गों तथा मेट्रो स्टेशनों पर लगाए गए प्रतिबंधों ने चुनावी संस्थाओं को लेकर चल रही बहस को और तीखा कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी और सुरक्षा कारणों से 11 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश-निकास अस्थायी रूप से बंद किए गए थे। जंतर-मंतर लोकतंत्र की उस सार्वजनिक जगह का नाम है, जहां सत्ता से असहमति दर्ज कराने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से नागरिक या संगठन आते हैं। इसलिए वहां उठी आवाज को केवल भीड़, राजनीतिक प्रदर्शन या कानून-व्यवस्था की समस्या मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श की छोट्टा करना होगा।
मतदाता-सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं और इससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि निर्वाचन आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता-सूचियों को शुद्ध और अद्यतन करना है तथा गलत तरीके से छूट गए पात्र मतदाताओं को फिर शामिल करने के लिए विशेष अभियान भी शुरू किया गया है। आयोग ने अब 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ऐसे पात्र मतदाताओं की पहचान और पुनः नामांकन के लिए विशेष अभियान की घोषणा की है। यही वह बिंदु है, जहां राजनीतिक आरोपों और संस्थागत तथ्यों को गहराई

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टूबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।

दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्लास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-इथीो युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आतंसी युद्, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है। तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50

अकेले पंजाब से आता है। केंद्रीय पूल में जमा होने वाले कुल चावल के सरकारी उपार्जन में भी पंजाब का लगभग 31% योगदान है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में पंजाब 13 से 14 प्रतिशत का योगदान देता है। गेहूं उत्पादन का लगभग 14% से 22% हिस्सा पंजाब में उगता है, जो इसे देश के शीर्ष उत्पादकों में बनाए रखता है। इसी तरह पंजाब देश के चावल उत्पादन का लगभग 10% से 11% हिस्सा पैदा करता है। भारत के कुल दूध उत्पादन में भी पंजाब लगभग 6.2% से 10% का योगदान देता है। इसी तरह देश के शहद उत्पादन में भी पंजाब का योगदान करीब 20% और मशरूम उत्पादन में रिकॉर्ड 48% है। पंजाब की यह सफलता उसकी फसल सघनता के कारण है, जो 186% से भी अधिक है। राज्य का लगभग 82% से 87% भूभाग खेती के अंतर्गत आता है, जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 40% है। यही कारण है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन के मामले में पंजाब के किसान देश में अग्रणी बने हुए हैं और देश की भुखमरी

मतदाता सूची से जंतर-मंतर तक: लोकतंत्र के भरोसे की अग्निपरीक्षा

से देखना आवश्यक है। जब मतदाता-सूची जैसी लोकतंत्र की बुनियादी व्यवस्था पर व्यापक संदेह पैदा हो तो निर्वाचन आयोग पर केवल यह कहकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता कि वह संवैधानिक संस्था है, इसलिए उस पर विश्वास किया जाए। संवैधानिक संस्था की प्रतिष्ठा अधिकार से नहीं, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से मजबूत होती है।
वर्तमान विवाद का सबसे ठोस और जांच योग्य पहलू फॉर्म-6 से जुड़ा है। फॉर्म-6 मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का निर्धारित आवेदन है। विवाद तब उठा, जब एसआईआर से संबंधित एक अतिरिक्त घोषणा ऑनलाइन फॉर्म-6 में जोड़े जाने पर आयोग के भीतर ही दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियां सामने आईं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने इस बदलाव की वैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाए, जिसके बाद आयोग ने 30 सितंबर को उन राज्यों में, जहां एसआईआर पुरा हो चुका है, ऑनलाइन फॉर्म-6 से यह अतिरिक्त घोषणा हटा दी। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि घोषणा-पत्र हटया गया या नहीं बल्कि यह है कि उसे जोड़ा किस अधिकार के तहत गया, किस स्तर पर स्वीकृति मिली, उसका तकनीकी क्रियान्वयन किस आदेश पर हुआ और बाद में उसे हटाने का निर्णय किस प्रक्रिया से लिया गया? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर सार्वजनिक होने चाहिए।
इस प्रकरण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की जरूरत है। यदि कोई अतिरिक्त घोषणा वैधानिक रूप से आवश्यक नहीं थी तो उसके कारण किसी पात्र नागरिक को आवेदन प्रक्रिया में कठिनाई हुई या उसका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका तो इसकी पहचान और सुधार जरूरी है। निर्वाचन आयोग ने अब पात्र लेकिन छूटे मतदाताओं को फिर जोड़ने के लिए विशेष अभियान की बात कही है लेकिन प्रश्न यही है कि इस प्रक्रिया के परिणाम सार्वजनिक रूप से कितने और किस तरह बताए जाएंगे। मतदाता सूची केवल सरकारी रिकॉर्ड नहीं होती, वही लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का आधार बनती है। इसलिए 'कितने नाम हटे' से अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि कितने पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटे, कितने वापस जोड़े गए, कितने मामलों में आपत्ति

मिटाने में सबसे आगे खड़े हैं।
परन्तु दुर्भाग्यवश कृषि उत्पादन से लेकर लंगर चलाने व जरूरतमंदों की मदद के लिये अग्रणी रहने वाले इस राज्य की विगत कुछ वर्षों से मात्र नशे को लेकर बदनाम करने की बड़ी साजिश रची जा रही है। चूंकि पंजाब की 17 वीं विधानसभा चुनाव फरवरी 2027 में कराए जाने की पूरी संभावना इसीलिये चुनाव पूर्व विभिन्न राजनैतिक दल पंजाब में कथित तौर पर व्याप्त नशे की समस्या को एक प्रमुख राजनैतिक मुद्दा बना रहे हैं। मिसाल के तौर पर विधानसभा सीटों पर 13 दिवसीय नशा मुक्त पंजाब यात्रा निकाली और नशे को ही राज्य का अपना मुख्य चुनावी एजेंडा घोषित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों जालंधर में यह घोषणा की, कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह से नशे के कारोबार से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवंत मान सरकार को

आपदा सरकार करार देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिंथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि आम नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब की बदनाम कर रही है। आप नेताओं ने गुजरात जैसे राज्यों के बंदरगाहों पर पकड़े जाने वाले भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का हवाला देते हुए केंद्र की सीमा सुरक्षा की विफलता पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया है कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर पंजाब के पूरे ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा और नशे के व्यापारियों को जेल भेजा जाएगा। पंजाब में कथित तौर पर फैले नशा नेटवर्क को लेकर बनाई गई फिल्म उड़ता पंजाब ने और भी इस विषय को प्रमुखता से कुछ इस तरह प्रचारित कर दिया गोया देश का कृषि प्रमुख व भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के माध्यम से अपना अतुलनीय योगदान देने वाला देश का यही इकलौता राज्य है जो नशे में डूबा हुआ है।

असहमति लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि प्रतिबंध सुरक्षा की वास्तविक जरूरत के अनुपात में हों और उनका उद्देश्य नागरिकों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाना प्रतीत न हो।

अब समय है कि इस पूरे विवाद को 'सत्ता बनाम विपक्ष' की संकीर्ण चौखट से बाहर निकाला जाए। चुनाव आयोग किसी सरकार का नहीं, मतदाता का आयोग है। मतदाता सूची किसी दल की संपत्ति नहीं, नागरिक के मताधिकार का आधार है और चुनाव का परिणाम किसी राजनीतिक दल की निजी उपलब्धि नहीं, संवैधानिक प्रक्रिया से मिली सार्वजनिक वैधता है। इसलिए फॉर्म-6 के विवाद से लेकर एसआईआर के आंकड़ों तक, हर प्रश्न का दस्तावेजी उत्तर सामने आना ही चाहिए। जिन मतदाताओं के नाम पंजाब सूची में छूटे हैं, उनकी पहचान और पुनर्स्थापना की समयबद्ध व्यवस्था होनी चाहिए। सॉफ्टवेयर में हुए बदलावों की जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए। आयोग के भीतर दर्ज असहमतियों का तथ्यात्मक स्पष्टीकरण होना चाहिए। जहां मामला न्यायालय में है, वहां अंतिम निर्णय तक संस्थागत पारदर्शिता बनी रहनी चाहिए।

लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा आलोचना से नहीं, अविश्वास से होता है। आलोचना का उत्तर तर्क से दिया जा सकता है लेकिन अविश्वास को केवल पारदर्शिता ही दूर कर सकती है। जंतर-मंतर और मुम्बई से उठ रही आवाज का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि केवल चुनाव जीतना पर्याप्त नहीं, चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास कायम रहना भी उतना ही जरूरी है। यदि इस विश्वास में दरार पड़ रही है तो उसका इलाज प्रदर्शनकारियों को रोकना नहीं, उन सवालों का सार्वजनिक और संवैधानिक समाधान करना है, जिनके कारण वे सड़क पर उतरने को मजबूर हो रहे हैं। लोकतंत्र की असली परीक्षा यह नहीं है कि सरकार कितनी बड़ी भीड़ को रोक सकती है बल्कि यह है कि वह कितने कठिन सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से बहाल नहीं होगी बल्कि ऐसी पारदर्शी व्यवस्था से सुनिश्चित होगी, जिस पर हारने वाला भी भरोसा कर सके और जीतने वाला भी।

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार



प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपनी निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई है। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांड्स, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांड्स की वील्ट पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चतम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आर्दीफिशोन्सल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर

कम्पनियों के शेयरों का (Price to Earning - PE Ratio) कीमत/आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है। आज भारतीय रुपए की कीमत 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है। उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता भी भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025

में 4.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। विभिन्न उत्पादों के भारत से निर्यात अगस्त 2026 में 4,380 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गए हैं जो अगस्त 2025 में 3,480 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर थे। 15 सितम्बर 2026 को समाप्त पखवाड़े में समस्त बैंकों के ऋणों में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 10.4 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, बैंकों की जमाराशियों में वृद्धि दर भी पिछले वर्ष की 9.5 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.3 प्रतिशत की रही है। बैंकों का ऋण:जमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के पास पहुंच गया है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दर आंकी जा रही है। बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियों में भी कमी दर्ज हुई है और यह जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत की तुलना में जुलाई 2026 में घटकर 1.68 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। शुद्ध गैर निष्पादनकारी आस्तियां तो पिछले वर्ष के 0.5 प्रतिशत की तुलना में 0.4 प्रतिशत ही रही है। अर्थात, बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है। भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात तो आज विकसित देशों की बैंकों से भी अधिक हो गया है, जो जुलाई 2025 के 17.5 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 में 17.8 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इससे भारतीय बैंकों की मजबूत स्थिति झलकती है। उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जा रहा है, यह ऐसी स्थिति है जब सम्बंधित उद्योग को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में विचार प्रारम्भ करना होता है। उक्त जानकारी की सत्यता की गवाही वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में हो रही लगातार वृद्धि से भी ध्यान में आती है। सितम्बर 2026 माह में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण 2.04 लाख करोड़ से अधिक की राशि का रहा है और यह लगातार तीसरा महीना है जब यह संग्रहण 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा है। भारत में सितम्बर 2026 माह में अर्थ के विभिन्न Unified Payments Interface (एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ) सिस्टम के अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक के व्यवहार दर्ज हो रहे हैं, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में सबसे अधिक व्यवहार हैं। अगस्त 2026 माह के दौरान उक्त व्यवहार 79 करोड़ के रहे थे और सितम्बर 2025 में 65 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रतिदिन के रहे थे। कुल मिलाकर भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज हो रही विकास दर की कहानी स्पष्ट तौर पर कह रही है कि भारत का भविष्य बहुत सुप्रक्षित है। और, यह झूठा मिश्रण खड़ा किया जाना कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका कष्टकारी प्रभाव पड़ने वाला है, पूर्णतः असत्य है। चक्राहट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयर बाजार से निकाले जा रहे निवेश को आधार बनाकर उक्त झूठे विमर्श को खड़ा करने का प्रयास हो रहा है।

पंचमुखी हनुमान जी के वार्षिकोत्सव पर शनि धाम मंदिर में विशाल धार्मिक आयोजन

गढ़मुक्तेश्वर/हापड़ (सब का सपना):- तहसील रोड स्थित श्री कृष्ण श्याम सुंदर शनि धाम मंदिर में पंचमुखी हनुमान जी के वार्षिकोत्सव पर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ एवं विशाल लंगर का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पंचमुखी हनुमान जी के दर्शन कर हवन में आहुति दी और सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इसके बाद लंगर में प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर के



अध्यक्ष पंकज लोधी ने कहा कि यह आयोजन श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। मंदिर में समय-

समय पर ऐसे धार्मिक व सेवा कार्य होते रहते हैं। श्रद्धालु गोकुल सिंघल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज

सेवा संकल्प अभियान ग्राम अतरासी में खाद्य विभाग के शिविर में मिले राशन कार्ड के 22 आवेदन

सम्भल (सब का सपना):- जिला प्रशासन द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत खाद्य एवं रसद विभाग की ओर से विकासखंड पवांसा के ग्राम पंचायत अतरासी में एक विशेष जन-सुविधा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल तथा जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र नागरिकों तक विभागीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना और राशन कार्ड से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना था। आयोजन के दौरान ग्रामीणों ने अपनी



समस्याओं और आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन जमा किए। दिनभर चले इस शिविर में कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से पात्र गृहस्थी (पीएचएच) श्रेणी के 9 नए राशन

कार्ड बनवाने के लिए आवेदन आए। जबकि राशन कार्ड में नाम जुड़वाने संशोधन कराने अथवा पते में बदलाव से संबंधित 13 आवेदन पंजीकृत किए गए। शिविर में मौजूद

विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने ग्रामीणों को राशन कार्ड बनवाने की पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाई। उन्होंने आवेदकों को आवश्यक दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड बैंक पासबुक और आय प्रमाण पत्र के संबंध में जागरूक किया ताकि भविष्य में उन्हें किसी तरह की अशुविधा न हो। कार्यक्रम के अंत में विभागीय टीम ने प्राप्त सभी आवेदनों को जल्द से जल्द सत्यापित कर निस्तारित करने का आश्वासन दिया। इस दौरान पूर्ति निरीक्षक राजेन्द्र कुमार सहित खाद्य एवं रसद विभाग के कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

साइबर ठगी की रकम को कैश कराने वाला गिरोह पुलिस ने किया बेनकाब

पेट्रोल पंपों के खातों में पैसा डलवाकर निकालते थे नकदी, पांव गिरफ्तार



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन साइबर ठगी की रकम को पेट्रोल पंपों के खातों में डलवाकर कमीशन के बदले कैश कराने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13 एटीएम कार्ड, सात मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक पासबुक, तीन चेकबुक और तीन इंस्ट्रक्शन लेटर बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक विकास चंद त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीते शुक्रवार को थाना साइबर क्राइम में ऋषभ रस्तोगी पुत्र आदित्य रस्तोगी निवासी 696 कोट शाकी, जामा मस्जिद के पास, थाना संभल ने तहरीर दी थी। बताया गया कि उनका जियो पेट्रोल पंप दुर्गा फिलिंग स्टेशन, संभल-अनूपशहर रोड, खिरनी पर है। पेट्रोल पंप के लेनदेन के लिए यूपी ग्रामीण

बैंक का खाता संचालित है। आरोप था कि पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन मनु शर्मा पुत्र महेश चंद्र शर्मा कमीशन लेकर उक्त खाते में फ्रॉड की रकम डलवाकर उसके बदले कैश उपलब्ध करा रहा था। तहरीर के आधार पर थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की जांच के दौरान सोमवार को प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह द्वारा गठित टीम ने नामजद आरोपी मनु शर्मा के साथ ही विवेचना में प्रकाश में आए प्रशान्त सिंह राघव पुत्र बिजेंद्रपाल सिंह, आदित्य पुत्र सुरेंद्र कुमार, नरेन्द्र कुमार पुत्र स्वर्गीय रामोतार और सुनील कुमार पुत्र हिमंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी मनु शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथी आदित्य के साथ मिलकर पेट्रोल पंप पर कमीशन लेकर ऑनलाइन फ्रॉड की रकम पंप के खाते में डलवाता था और उसके बाद कैश उपलब्ध



करता था। आरोपी आदित्य ने पूछताछ में बताया कि वह प्रशान्त सिंह राघव और गौतम वाण्येय के लिए काम करता था। वह पेट्रोल पंपों से ऑनलाइन फ्रॉड की रकम एटीएम कार्ड स्वाइप कराकर कैश के रूप में प्राप्त करता था और यह रकम संबंधित लोगों को देता था। इसके अलावा भोले-भाले और अनपढ़ लोगों को लालच देकर उनके बैंक खाते खुलवाने, खातों की केवाईसी कराने तथा उनके नाम पर सिम लेकर प्रशान्त सिंह राघव और गौतम वाण्येय को उपलब्ध कराने का काम भी किया जाता था। वहीं आरोपी प्रशान्त सिंह राघव ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी गौतम वाण्येय के साथ मिलकर ऑनलाइन फ्रॉड के लिए लोगों के बैंक खाते खुलवाता था। इन खातों में साइबर फ्रॉड की रकम एकत्रित की जाती थी। इसके बाद सिम राजस्थान में अलग-अलग साइबर फ्रॉड करने वालों को उपलब्ध कराए जाते थे।

राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में बहजोई के खिलाड़ियों का जलवा, छह पदकों पर कब्जा

तीन स्वर्ण और तीन कांस्य पदक जीतकर बढ़ाया नगर का गौरव, सिल्वर स्टोन स्कूल बना टाइट-अप चैंपियन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- हरियाणा के करनल स्थित मिनर्वा पब्लिक स्कूल में आयोजित सीबीएसई राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता-2026 में बहजोई के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में सीबीएसई के 22 जोन के विद्यार्थियों के अलावा इंटरनेशनल जोन के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विद्यालय के खिलाड़ियों ने भी प्रतिभाग किया। देशभर से करीब 1900 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल, बहजोई के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और दो कांस्य पदक अपने नाम किए। इस प्रदर्शन के दम पर विद्यालय को रनर-अप चैंपियन स्कूल का गौरव मिला। इसके साथ ही विद्यालय ने अंडर-11 बालिका वर्ग की विजेता ट्रॉफी भी अपने नाम की। सिल्वर स्टोन



पब्लिक स्कूल के रुद्र शर्मा, नव्या गर्ग और अराध्या सिंह ने अपने-अपने भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए और राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं अनिरुद्ध सिंह और अनुराग शर्मा ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का मान बढ़ाया। इसके अलावा बहजोई के एंग्लो वैदिक सोनियर सेकेंडरी स्कूल के हर्षित शर्मा ने अंडर-19 के 45 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। इस तरह बहजोई के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में कुल छह पदक जीतकर नगर और जनपद का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

अंडर-19 वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियन बने रुद्र शर्मा और नव्या गर्ग अब एसजीपीआई स्कूल नेशनल तथा भारत सरकार द्वारा आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी प्रतिभाग करेंगे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से उनके परिजनों, प्रशिक्षकों और साथी खिलाड़ियों में खुशी का माहौल है। विद्यालय के जूडो प्रशिक्षक एकांश गुप्ता ने कहा कि देश के विभिन्न जोन और यूएई से आए खिलाड़ियों के बीच प्रतियोगा करते हुए बहजोई के खिलाड़ियों द्वारा पदक जीतना पूरे नगर के लिए गर्व की बात है। खिलाड़ियों ने विद्यालय के साथ-साथ बहजोई, जनपद संभल

और उत्तर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता से पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का साथी खिलाड़ियों, परिजनों और विद्यालय के शिक्षकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक दिवाकर गुप्ता, प्रधानाचार्य संदीप शर्मा, सतीश शर्मा, लव शर्मा, गोविंद वशिष्ठ और निखिल तोमर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पदक विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

किसान समस्याओं को लेकर भाकियू लोकशक्ति ने जिलाधिकारी को सौंपा झापन



बहजोई/संभल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के जिलाध्यक्ष देवपाल यादव और जिला प्रभारी अवधेश कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने संभल के जिलाधिकारी को झापन सौंपकर किसानों की प्रमुख समस्याओं के त्वरित निस्तारण की मांग की है। झापन के माध्यम से भाकियू लोकशक्ति ने प्रशासन का ध्यान संभल जिले में हाल ही में हुई बारिश से हुए भारी नुकसान की ओर आकर्षित किया। बारिश के कारण किसानों की खड़ी फसलों को व्यापक क्षति पहुंची है जिससे किसान

आर्थिक संकट में आ गए हैं। संगठन ने मांग की है कि प्रभावित फसलों का बिना किसी देरी के निष्पक्ष और शीघ्र सर्वे कराया जाए तथा पीड़ित किसानों को नियमानुसार उचित आर्थिक मुआवजा प्रदान किया जाए। किसान नेताओं ने झापन में फसल क्षति के आंकलन में विभागों द्वारा की जा रही लापरवाही पर भी कड़ा एतराज जताया। विशेष रूप से ग्राम चकबंदी क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि चकबंदी विभाग और राजस्व विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टाल रहे हैं। चकबंदी विभाग राजस्व विभाग को और



राजस्व विभाग चकबंदी विभाग को आंकलन की जिम्मेदारी बताकर किसानों को भटका रहा है। इस स्थिति के कारण किसानों को समय से राहत नहीं मिल पा रही है। यूनियन ने मांग की है कि इस भ्रामक स्थिति को समाप्त करने के लिए राजस्व एवं चकबंदी विभाग की एक संयुक्त टीम गठित की जाए जो गांव-गांव जाकर फसल नुकसान का पारदर्शी और निष्पक्ष आंकलन करे। इसके अतिरिक्त झापन में ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति की खस्ताहाल स्थिति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय

हो रही अत्याधिक और अनावश्यक कटौती के कारण किसान फसलों की सिंचाई और अन्य कृषि कार्य नहीं कर पा रहे हैं। किसानों के हित में इस अनावश्यक रात्रिकालीन बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाने तथा पर्याप्त व निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई है। अंत में लगातार बढ़ती महंगाई और कृषि लागत में हो रही वृद्धि को देखते हुए संगठन ने गन्ने के राज्य परामर्शित मूल्य में उचित वृद्धि करने की मांग रखी ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके।

भूमि विवाद व अवैध कब्जे की निष्पक्ष जांच की मांग

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आनन्दपुर निवासी एवं पेशे से अधिवक्ता राजकुमार खड़गवंशी ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने अपनी पैतृक भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास और दबंगई का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार मामला ग्राम आनन्दपुर स्थित गाटा संख्या 155 (रकबा 4.646 हेक्टेयर) से जुड़ा हुआ है। पीड़ित का आरोप है कि



कुछ असामाजिक व दबंग व्यक्तियों ने प्रशासन और अधिकारियों के नाम का अनुचित लाभ उठाते हुए भूमि

पर अवैध रूप से सीमाबंदी व बाउंड्रीवाल का प्रयास किया। विरोध करने पर पीड़ित के साथ अमर्यादित

व्यवहार और मारपीट की घटना भी सामने आई। पीड़ित अधिवक्ता ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित पक्षों और राजस्व टीम की मौजूदगी में जमीन की नियमानुसार पैमाइश कराई जाए। साथ ही प्रशासनिक पदों व नाम का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ विभागीय व दंडात्मक जांच की जाए। उन्होंने सभी आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

261 चालान कर 5.42 लाख रुपये का लगाया जुमाना, 47 ऑटो-ई-रिक्शा से हटवाए अवैध पायदान

संभल(सब का सपना):- जनपद में सोमवार को सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं प्रवर्तन टीमों ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर वाहनों की जांच की गई। चेकिंग अभियान के दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चलने वाले वाहनों तथा बिना वैध परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसके अलावा ऑटो एवं ई-रिक्शाओं में



लगे अवैध पायदानों को भी हटवाया गया। पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान में कुल 261 चालान किए गए, जिन पर 5 लाख 42 हजार रुपये का जुमाना लगाया गया। ऑटो एवं ई-रिक्शाओं के 32 चालान किए गए, जबकि 47 वाहनों से अवैध

पायदान हटवाए गए। वहीं इंटरसेप्टर के माध्यम से भी 126 चालान किए गए। अभियान के दौरान किसी वाहन को सीज किए जाने की संख्या शून्य रही। जनपद पुलिस ने वाहन चालकों एवं आमजन से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

पुलिस ने कहा कि वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं, तेज गति से वाहन न चलाएं तथा दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। यातायात नियमों की अनदेखी सड़क पर स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए खतरा बन सकती है। पुलिस के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए ओवरलोडिंग, बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन तथा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चेकिंग एवं प्रवर्तन की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

केनरा बैंक आरसेटी के डीटीपी प्रशिक्षुओं ने किया फील्ड विजिट

प्रशिक्षण के साथ व्यावहारिक ज्ञान पर दिया जोर, प्रशिक्षुओं ने बाटीकी से समझी डीटीपी की कार्यप्रणाली

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक आरसेटी बहजोई द्वारा संचालित डेस्कटॉप पब्लिशिंग (डीटीपी) प्रशिक्षण बैच के प्रशिक्षुओं के लिए फील्ड विजिट का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को कक्षा में दिए जा रहे तकनीकी एवं सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ कार्यक्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों से परिचित कराना रहा। फील्ड विजिट के दौरान प्रशिक्षुओं ने डीटीपी से संबंधित कार्यों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की और कार्यप्रणाली को करीब से समझा। फील्ड विजिट के दौरान प्रशिक्षुओं को डेस्कटॉप पब्लिशिंग के क्षेत्र में उपयोग होने वाली विभिन्न तकनीकों, डिजाइनिंग, लेआउट तैयार करने, प्रिंटिंग से संबंधित प्रक्रियाओं तथा डिजिटल माध्यमों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षुओं ने विशेषज्ञों से कार्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझा और अपनी जिज्ञासाओं के संबंध में सवाल पूछकर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर केनरा बैंक आरसेटी बहजोई के निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते



हुए कहा कि प्रशिक्षण का वास्तविक उद्देश्य केवल कक्षा तक सीमित रहना नहीं, बल्कि प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक कार्यों का अनुभव प्रदान करना भी है। फील्ड विजिट के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को अपने हुनर को बेहतर बनाने और भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को समझने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि डीटीपी के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता के साथ रचनात्मकता और बदलती तकनीक की जानकारी भी बेहद जरूरी है। प्रशिक्षुओं को चाहिए कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान का नियमित

अभ्यास करें और अपने कौशल को लगातार विकसित करते रहें, ताकि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद वे आत्मविश्वास के साथ रोजगार अथवा स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। फील्ड विजिट में डीएसटी (डीटीपी) मयंक वाण्येय, सुजीत सिंह, विशेष, रणवीर सिंह सहित समस्त प्रशिक्षुओं की सहभागिता रही। प्रशिक्षुओं ने फील्ड विजिट को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों से उन्हें प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को वास्तविक कार्यप्रणाली से जोड़ने का अवसर

मिलता है। उन्होंने कहा कि फील्ड विजिट के दौरान मिली जानकारी भविष्य में उनके लिए काफी उपयोगी साबित होगी। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। केनरा बैंक आरसेटी बहजोई की ओर से प्रशिक्षण को रोजगारपरक बनाने के लिए इस प्रकार की गतिविधियों को महत्वपूर्ण बताया गया। फील्ड विजिट के समापन पर प्रशिक्षुओं ने आयोजन के लिए संस्थान के निदेशक एवं प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

जैन मंदिर में गूंजा उत्तम क्षमा का संदेश, मेधावी छात्र-छात्राओं समेत प्रतिभाएं सम्मानित

बहजोई/संभल(सब का सपना): जनपद के बहजोई गोलगंज स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के समापन अवसर पर बाबू मुकुट बिहारी लाल जैन सेवा न्यास की ओर से जिन धर्म का अंक गणित नामक ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में श्रद्धालुओं एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न चरणों में विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन न्यास के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार जैन, सचिव नमन जैन, विधिक सलाहकार अमन जैन एडवोकेट एवं कार्यक्रम संयोजक सम्भव जैन के नेतृत्व में हुआ। प्रतियोगिता में सप्राइज विजेता विभोर जैन, अलोक जैन, पारुल जैन, राजेंद्र जैन एवं स्वाति जैन रहे। पंचमेरु प्रतियोगिता में अग्रिम जैन,

चार दान में विभोर जैन, सम्यक ज्ञान में अंकिता जैन, सम्यक चरित्र में राहुल जैन सराफ तथा सम्यक दर्शन में सुनील जैन विजेता रहे। अयोध्या यात्रा की विजेता साक्षी जैन, वाराणसी के विजेता विभोर जैन, हस्तिनापुर की विजेता रंजना जैन, अहिछत्र तीर्थ के विजेता पंकुल जैन तथा मथुरा चौरासी की विजेता अक्षरा जैन रही। इस दौरान दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। श्री दिगम्बर जैन सभा की ओर से शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं के श्रेयांश जैन, अग्रिम जैन, अक्षत जैन, अनन्या जैन एवं पावनी जैन तथा कक्षा 12वीं की यशवी जैन को सम्मानित किया गया। वहीं एम्स



भोपाल के पैरामेडिकल डायलिसिस विभाग में प्रवेश प्राप्त करने वाली जिज्ञासा जैन के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। समाजसेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए डॉ. पवन कुमार जैन, अलका जैन, नमन जैन एवं अमन जैन को सम्मान मिला। न्यास में निःशुल्क

चिकित्सकीय सेवाएं देने वाले वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजेंद्र आर्य को भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा चंद्रप्रकाश जैन, विभोर जैन, रजनी

जैन, सपना जैन, छाया जैन, मनोज जैन, प्रेरक जैन, विपुल जैन, अतिशय जैन, आशा जैन, रंजना जैन, संतोष देवी जैन एवं बीना जैन सहित अन्य समाजसेवियों एवं प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रमों के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संयोजक सम्भव जैन को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर श्री दिगम्बर जैन सभा के अध्यक्ष सुनील कुमार जैन, संरक्षक राजेंद्र कुमार जैन, उपाध्यक्ष संजय कुमार जैन, कोषाध्यक्ष मितेश जैन एवं राहुल जैन ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और समाजजनों का आभार व्यक्त किया। अंत में श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे से जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए ह्रउत्तम क्षमाह्व मांगते हुए क्षमावाणी पर्व मनाया और प्रेम, सद्भाव एवं मैत्री का संदेश दिया।

जिले में 319 छात्रों के खाते में भेजी गई छात्रवृत्ति

एजेंसी नोएडा। जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति और सामान्य वर्ग के 319 छात्रों के बैंक खाते में शनिवार को छात्रवृत्ति भेजी गई। अधिकारियों ने छात्रों को छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी और समय से आवेदन कर लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन सभागार लखनऊ में अल्प आय वर्ग के कक्षा- 9 से 12वीं तक के 4.60 लाख छात्र-छात्राओं के खातों में 148 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति राशि डायरेक्ट बेंचिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से भेजी गई। इसका लाइव प्रसारण किया गया। गौतमबुद्धनगर में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र निपाटी के नेतृत्व में मुख्य कार्यक्रम पब्लिक इंटर कॉलेज

जहांगीरपुर में आयोजित किया गया। एलईडी स्क्रीन पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया।जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश कुमार सिसोदिया ने बताया कि जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग के कक्षा 9-10 के 75 छात्रों को 1 लाख 68 हजार रुपये और कक्षा 11-12 के 52 छात्रों को 1 लाख 68 हजार 236 रुपये की छात्रवृत्ति भेजी गई। जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि अनुसूचित जाति के कक्षा 9-10 के 127 छात्रों को 1 लाख 77 हजार 800 रुपये, सामान्य वर्ग के 41 छात्रों को 1 लाख 23 हजार रुपये और अल्पसंख्यक वर्ग के 24 छात्रों को 72 हजार रुपये की छात्रवृत्ति उनके खातों में भेजी गई। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य कुलभूषण शर्मा सहित विभागीय अधिकारी, शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।



अमौली/फतेहपुर (सब का सपना)::- 11अक्टूबर से प्रारंभ हो रही शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गापूजा कमेटी अमौली द्वारा आयोजित होने वाली 21वीं दुर्गा पूजा की तैयारी पूर्ण होने को है। समिति के पदाधिकारियों द्वारा पिछले हफ्ते से सभी ग्रामवासियों के घर-घर जाकर पीले चावल व समिति का पत्रक देकर निमंत्रण दिया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने 15 अक्टूबर को होने वाले विशाल चिकित्सा शिविर एवं मेले का लाभ लेने के लिए क्षेत्रवासियों को जागरूक किया। इस शिविर में

निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श, स्वास्थ्य जांचें व दवाइयों दी जाएंगी। इसके साथ ही कृषि मेला में मृदा परीक्षण, बीज संबंधी जानकारीयों और पेंशन शिविर का भी आयोजन होगा। पूरे क्षेत्र में यह सर्वविदित है कि पिछले 21 वर्षों से जनसेवा के क्षेत्र में समिति का अलग ही योगदान रहा है। सभी लोकहित एवं जनहित के कार्यक्रमों में समिति का योगदान अव्वल दर्जे का रहा है। इस बार भी बिना किसी आर्थिक या सामाजिक भेदभाव के प्रत्येक घर जाकर आमंत्रण पत्र एवं पीले चावल देकर



निमंत्रण दिया जा रहा है। संस्था की एक विशेष खूबी यह भी है कि कार्यक्रम के बाद स्मॉरिका तथा पूजा प्रसाद भी क्षेत्रवासियों के घरों तक पहुंचाया जाता है। संस्था के मंत्री उमेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि 15 अक्टूबर को होने वाले विशाल चिकित्सा शिविर, कृषि मेला एवं पेंशन शिविर के आयोजन में विभिन्न बैंकों के अधिकारी ऋण वितरण संबंधी जानकारी भी देंगे, जिससे क्षेत्रवासियों को राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं के सभी लाभ प्राप्त हो सकें।

आमंत्रण अभियान में मुख्य रूप से दयाशंकर त्रिवेदी, अरुण कुमार रामकुमार प्रजापति अनिल कुमार सदीप प्रजापति पत्रकार लोक भारती मिश्रा, बुजेंद्र तिवारी, राजाराम ओमर, मुकेश ओमर, रवि ओमर, अखिलेश ओमर, आर्य कुमार पांडेय, रीसू ओमर, रजत प्रताप सिंह, सतीश वर्मा, दीपक ओमर, कुलदीप तिवारी, शुभम वर्मा, कामता हलवाई, पवन सोनकर कंधई सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हूटर बजाने का विरोध किया तो महिला से मारपीट

एजेंसी नोएडा।। पर्थला चौकी के पास सीएनजी पंप पर कार में हूटर बजा रहे युवकों की हरकत कैमरे में कैद करना एक महिला मीडियाकर्मी को भारी पड़ गया। वीडियो बनाते देख कार सवार तीन युवक भड़क गए। आरोप है कि उन्होंने महिला के साथ हाथापाई की और मोबाइल छीनकर रिकॉर्डिंग मिटाने का दबाव बनाया। विरोध करने पर धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-122 निवासी महिला मीडियाकर्मी शुक्रवार रात घर के पास स्थित सीएनजी पंप पर अपनी कार में गैस भरवा रही थीं। इसी दौरान उन्होंने वहां एक कार में सवार युवकों को हूटर बजाते देखा। इस पर उन्होंने अपने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। यह बात युवकों को नागवार गुजरी। तीनों



ने महिला से वीडियो हटाने को कहा। उनके इनकार करने पर विवाद बढ़ गया और युवकों ने उनके साथ हाथापाई शुरू कर दी। पीड़िता के मुताबिक विरोध करने पर आरोपियों ने उनका मोबाइल छीन लिया और वीडियो डिलीट कराने का प्रयास किया। इस दौरान कार से चाबी भी जबरन निकाल ली और उन्हें धमकाया। महिला ने पुलिस को फोन किया तो आरोपी मौके से फरार हो

गए। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर शिकायत दी। महिला का दावा है घटना के समय सभी आरोपी शराब के नशे में थे। सेक्टर-113 थाना प्रभारी ने बताया कि महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है।

दो छात्राओं का प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन



अमरोहा (सब का सपना)::- जनपद के किसान इंटर कॉलेज डयोडी वाजिदपुर में आयोजित जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा की दो छात्राओं ने उल्लेखनीय प्रदर्शन कर प्रदेश स्तर के लिए चयन का गौरव हासिल किया है। कक्षा 11 की पारुल (पुत्री महावीर) तथा कक्षा 10 की सुबहाना (पुत्री नईमुद्दीन) का गोरखपुर में होने वाली प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। दोनों छात्राओं ने जिला स्तरीय मुकाबलों में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शित कर अपनी टीम को मजबूत बनाया और चयन समिति को



प्रभावित किया। कॉलेज प्रशासन एवं खेल अध्यापकों ने दोनों छात्राओं की मेहनत और खेल भावना की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह चयन न केवल छात्राओं बल्कि पूरे कॉलेज के लिए गर्व की बात है। चयनित छात्राओं को प्रदेश स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी जा रही हैं। अभिभावकों और शिक्षकों का सहयोग भी इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण रहा। जनपद की अन्य छात्राओं के लिए भी यह प्रेरणा का स्रोत बनेगा। कॉलेज परिवार ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगे की प्रतियोगिताओं में सफलता की कामना की है।

धान क्रय केंद्रों पर किसानों को मिलेंगी सुविधाएं, एडीएम ने दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना)::- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में सोमवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह की अध्यक्षता में धान खरीद की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने एजेंडा बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी ने धान खरीद की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के सभी धान क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने

मंडी सचिवों को मंडियों में साफ-सफाई बेहतर रखने, शौचालयों को संचालित रखने तथा किसानों की सुविधा के लिए दिशा-सूचक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, ताकि किसान आसानी से संबंधित क्रय केंद्र तक पहुंच सकें। उन्होंने सभी क्रय केंद्रों पर फ्लेक्सी एवं बैनर लगाने के साथ ही मंडियों में धान सुखाने के लिए पर्याप्त स्थान एवं जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही किसानों की ट्रॉलियों को मंडी में अनावश्यक रूप से अधिक समय तक खड़ा न रहना पड़े, इसके लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया



गया कि जनपद में कुल 52 धान क्रय केंद्र संचालित हैं। इनमें खाद्य विभाग के 17, पीसीएफ के 18, पीसीयू के 15 तथा भारतीय खाद्य

निगम (एफसीआई) के दो क्रय केंद्र शामिल हैं। इसके अलावा खाद्य विभाग द्वारा बाजार खरीद के लिए 10 क्रय केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। जनपद में धान खरीद 15 अक्टूबर से प्रस्तावित है, जबकि बाजरा की खरीद एक अक्टूबर से 31 दिसंबर तक की जाएगी। अपर जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि क्रय केंद्रों पर किसानों के नाम एवं भूमि संबंधी सत्यापन की कार्यवाई 24 घंटे के भीतर सुनिश्चित कराई जाए। वहीं एफसीआई अधिकारियों को गत वर्ष की खरीद के आधार पर सीएमआर के भंडारण के लिए

उपलब्ध स्थान एवं वर्तमान क्षमता की समीक्षा करने के निर्देश दिए। भंडारण की कमी को देखते हुए फरवरी 2027 तक रैक न मंगाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चंद्र, डिप्टी कलेक्टर अभिनयसू सिंह, डिप्टी कलेक्टर नीरज त्रिवेदी, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी संजीव कुमार राय, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता ज्ञान प्रकाश सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

जाम से कराह रहा गुरुग्राम, प्रमुख

चौक-चौराहों पर लंबी कतारें

न्यूज स्पीक्स

गुरुग्राम । साइबर सिटी गुरुग्राम में पीक ऑवर्स के दौरान लगने वाले भीषण जाम ने वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा दी है। प्रमुख चौक-चौराहों और लालबत्तियों पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से लोगों का समय बर्बाद होने के साथ ईंधन की खपत और प्रदूषण भी बढ़ रहा है। राजीव चौक, दौलताबाद फ्लाईओवर, गुरुद्वारा रोड, महावीर चौक, रेलवे रोड, सुभाष चौक, इफ्को चौक से पुरानी दिल्ली रोड, सेक्टर-22 से रेजिंगला चौक और उद्योग विहार सहित कई स्थान जाम के प्रमुख बिंदु बने हुए हैं। दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर उद्योग विहार से इफ्को चौक तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर दिल्ली की ओर से राजीव चौक आने वाले मार्ग पर भी वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ता है। यातायात पुलिस के अनुसार जाम की समस्या से निपटने के लिए कई चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही लालबत्तियों और प्रमुख चौराहों का निरीक्षण कर जाम के कारणों की पहचान की जा रही है, ताकि आवश्यक सुधार किए जा सकें।

सफाई कर्मचारियों को किया

सम्मानित

न्यूज स्पीक्स

गुरुग्राम,। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर निगम के वार्ड-29 में भाजपा की ओर से सेवा शिविर लगाया गया। मंडल अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा की ओर से आयोजित शिविर में भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी कठिन परिस्थितियों में काम कर शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। शिविर में फैमिली आईडी में आय कम करवाने व आवश्यक संशोधन, नए वोटर कार्ड बनवाने, पानी के नए मीटर के लिए आवेदन, प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराने, प्रॉपर्टी आईडी में संशोधन, पानी के बिल, विधवा और वृद्धावस्था पेंशन तथा आधार कार्ड से संबंधित सहायता उपलब्ध कराई गई।

सेक्टर-83 में सफाई और

पौधरोपण अभियान चलाया

न्यूज स्पीक्स

मानेसर। गांधी जयंती पर सेक्टर-83 स्थित ईमार पाम गार्डन्स में नगर निगम मानेसर ने सफाई और पौधरोपण अभियान चलाया। इसमें संयुक्त आयुक्त दर्शन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सोसाइटी के लोगों ने अधिकारियों के सामने क्षेत्र की कई समस्याएं रखीं। सड़क मरम्मत, पानी की कमी, जलभराव, नालियों और सीवर के समाधान की मांग की गई। स्ट्रीट लाइट ठीक कराने, कूड़ा व्यवस्था सुधारने और खुले में कूड़ा डालने पर रोक की मांग भी की गई। कूड़ा शुल्क और लावारिस कुत्तों-पशुओं की समस्या पर भी जानकारी मांगी गई। संयुक्त आयुक्त दर्शन यादव ने नगर निगम के अधिकार क्षेत्र की समस्याओं पर जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। उन्होंने खेडुकी दौला टोल प्लाजा को करीब छह महीने में स्थानांतरित करने की जानकारी दी। अधिकारियों और लोगों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे लगाए। सभी ने स्वच्छता और पर्यावरण रक्षा का संकल्प लिया।

छात्राओं को स्वच्छता के प्रति

किया जागरूकता

एजेंसी

गुरुग्राम,। द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय, गुरुग्राम में शनिवार को महिला प्रकोष्ठ की ओर से महिलाओं का स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, पोषण और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. विशिखा यादव जैन ने छात्राओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को नजरअंदाज न करने के बारे में जानकारी दी।

चोरी की चार बाइक समेत दो

आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम,। नूंह एवीटी स्टाफ को वाहन चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं। बाइकें दिल्ली, फरीदाबाद और मथुरा से चोरी की गई थीं और नूंह में बेचने की तैयारी थी। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पकड़े गए आरोपियों की पहचान रहोश निवासी जकोकर और वसीम उर्फ मूखल निवासी खेड़ला के रूप में हुई है। टीम अपराध गश्त और वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान दोनों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर चार मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। जांच में सामने आया कि एक बाइक दिल्ली के सुभाष पैलेस थाना क्षेत्र, दूसरी किशनगढ़ थाना क्षेत्र, तीसरी उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले और चौथी फरीदाबाद के मुजेसर थाना क्षेत्र से चोरी की गई थीं। बरामद सभी बाइकों पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थीं। पुलिस के अनुसार आरोपी चोरी की बाइकों को नूंह क्षेत्र में बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने सभी मोटरसाइकिलों को कब्जे में ले लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ शहर नूंह थाने में मामला दर्ज किया गया है। अब पुलिस पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपियों ने और कितनी वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

जेल में बंदियों को कौशल विकास

से रोजगार पाने के तरीके बताए

एजेंसी

गुरुग्राम,। जिला जेल नूंह में शुक्रवार को बंदियों के सुधार और पुनर्वास के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रीजनमार्टर इंडिया फाउंडेशन के निदेशक जैज और रोजी चीतल ने बंदियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। इसका उद्देश्य जेल से बाहर आने के बाद उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में जैज और रोजी चीतल ने बताया कि कौशल प्रशिक्षण से बंदियों को नई दिशा मिल सकती है। विभिन्न काम सीखकर वे जेल से रिहा होने के बाद समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकते हैं और सम्मानजनक जीवन जी सकते हैं। उन्होंने कहा कि बंदियों को रोजगार दिलाने में भी सहयोग किया जाता है, ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें और दोबारा गलत रास्ते पर जाने से बचें। उन्होंने बताया कि वे इंग्लैंड की जेलों में भी बंदियों के सुधार और पुनर्वास के लिए काम कर रहे हैं। उनके अनुसार, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर बंदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में मददगार हो सकते हैं। जेल अधीक्षक बिमला देवी ने कहा कि बंदियों को कौशल प्रशिक्षण और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना उनके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें समाज में सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में उप अधीक्षक सत्यभाम और हिमांशु चौधरी का भी योगदान रहा।



रघुबीर यादव ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी बातें की

‘पंचायत’ के प्रधान जी यानी रघुबीर यादव हुंकार में बाप जी बनकर दिखाई दे रहे हैं और उनकी आने वाली फिल्म है ‘ओम का हठ’। इन सबको लेकर वो खूब चर्चे में हैं। एक्टर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातें की हैं।

बीते सालों में रघुबीर यादव हर रंग की भूमिकाओं में खिले हैं और कभी भी उनके काम पर उंगली नहीं उठी। इस पर वे कहते हैं, ‘इतने सालों से मैंने खुद को रियाज से जोड़े रखा है। मेरा ताल्लुक हमेशा से थिएटर से रहा है। मैं जब भी कोई काम करता हूँ, तो सबसे पहले खुद से पूछता हूँ कि मुझे इसे करते हुए अच्छा लग रहा है या नहीं। बस यही कोशिश रहती है कि मेरी नीयत, शिष्टता में और मेरी कोशिश में कोई कमी न रह जाए। मगर परफेक्शन कभी हासिल नहीं होता। प्ले और नाटकों में जरूर कुछ 70-75 प्रतिशत तक पहुंच पाया हूँ।’

उन्होंने आगे कहा, ‘एक प्ले बेरी जॉन के साथ किया था, जब मैं एनएसडी रेपटरी में था। ‘बेगम का तकिया’ और ‘मुख्यमंत्री’ जैसे नाटक में काम करके संतुष्टि मिली थी। थिएटर में आप लगातार काम करते हुए अपनी परफॉर्मेंस को इंप्रूव कर सकते थे। लेकिन फिल्मों में ऐसा लगता है कि एक बार काम शूट होकर रिलीज हो

गया, तो फिर बस छत्ती पीटते रहो कि यार, थोड़ा और बेहतर हो सकता था।’

भूखे मर जाना, मगर वैसी फिल्म न करना
अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, ‘मैंने हर बार कोशिश की है कि अपनी भूमिका को जमा लूँ, अपने रोल के साथ न्याय करूँ, मगर एक बार ऐसा जरूर हुआ था कि बात बन नहीं पाई थी। मैं सलाम बोम्बे जैसी कई अच्छी फिल्में कर चुका था। मगर मैं नया-नया आया था और उसी दौरान गुजारे के लिए मैंने एक फिल्म कर ली। उसमें मेरा कोई खास मोह नहीं था। एक बार किसी फंक्शन से लौटते वक्त एक महिला ने मुझे रोककर कहा, ‘आपको शर्म नहीं आती किसी को तकलीफ पहुंचाते हुए?’ मैं घबरा गया। मैंने सोचा, मैं तो उस महिला को जानता तक नहीं। वो ऐसा क्यों कह रही है? मैंने पूछा क्या हुआ? महिला बोली, ‘आपको वो फिल्म करने की क्या जरूरत थी?’ मैंने कहा, ‘मैं नया-नया आया हूँ, घर चलाने के लिए काम तो करना है।’

उन्होंने कहा, ‘आप भूखे मर जाएं, लेकिन इस तरह की फिल्म मत कीजिए।’ उनकी बात मेरे दिल में तीर की तरह चुभा गई। मैंने कान पकड़ कर कहा, आज से मैं भूखा मर जाऊंगा, लेकिन ऐसी फिल्म दोबारा नहीं करूंगा।’

रघुबीर की हालिया फिल्म हरी का ओम पिता-पुत्र के बीच जनरेशन

गैप के मुद्दे पर आधारित है। असल जिंदगी में रघुबीर भी दो बड़े बेटों (अचल और अबीर) के पिता हैं। वे कहते हैं, ‘हमारा जमाना अलग था। हम किसान के बेटे थे। बात-बात पर पीटते थे। खाना नहीं खाया तो पिटाई, ज्यादा खा लिया तो मार, मगर मैंने अपने दोनों बेटों के साथ कभी मारपीट नहीं की। एक बार डांट जरूर दिया था, मगर उसमें भी उल्टा सुनने के लिए मिल गया। मैंने किसी बात पर अपने बेटे को डांट दिया था, तो कहता है, ‘मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा, जैसे आपने मेरे साथ किया।’ रघुबीर का मानना है कि बच्चों और पैरेंट्स के बीच संवाद और खुलापन ही पुल बन सकता है। वे कहते हैं, ‘न पिता बेटे से कुछ छुपाए, न बेटा पिता से। मेरा अपने बेटों से ऐसा ही पारदर्शी रिश्ता है। खासकर छोटे बेटे अबीर से। वो मुझे मेरी गलती तक बता देता है। वक्त के साथ मैंने खुद को भी बदलने की कोशिश की है।’



आयुष्मान ने बताया फिल्मों की सफलता का राज

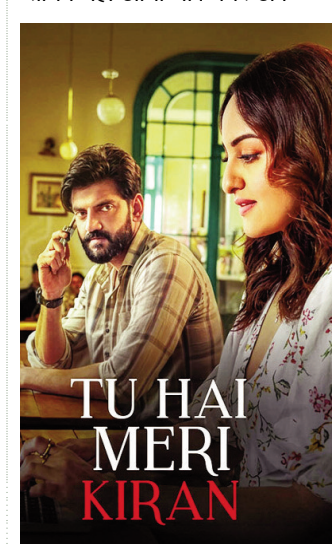
आयुष्मान ने कम बजट में बनी फिल्मों ‘हनुमान अंश’ और ‘ऑब्सेशन’ की सफलता पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि आज के दौर में ऐसी फिल्मों को ज्यादा बनाया जाना चाहिए, जो कम बजट में बने और सीधे दर्शकों से जुड़ें। हाल ही में एक सेशन के दौरान आयुष्मान खुराना ने मौजूदा थिएटर बिजनेस पर बात की। अभिनेता ने कहा कि ‘हनुमान अंश’ और ‘ऑब्सेशन’ दोनों बिल्कुल अलग तरह की फिल्में हैं, लेकिन दोनों का बजट कम है। आयुष्मान ने कहा, ‘हनुमान अंश और ऑब्सेशन दो अलग-अलग दुनिया की फिल्में हैं और कम बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि हमें ऐसी और फिल्में बनानी चाहिए। हमें बजट का ध्यान रखना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। यह सुनने में आसान लगता है, लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है।’

आयुष्मान के मुताबिक, आज दर्शकों के पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर कई बड़े कलाकारों और फिल्मों को देखने का मौका है। ऐसे में किसी फिल्म की सफलता सिर्फ बड़े स्टार या बड़े बजट पर निर्भर नहीं करती। फिल्म की कहानी और उसकी सच्चाई दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में अहम भूमिका निभाती है। इस सेशन में फिल्ममेकर श्रीराम राघवन और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के इंडिया थिएट्रिकल के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर जेजिल डायस भी मौजूद थे। ‘उड़ता तीर’ में आयुष्मान खुराना के अलावा राम कपूर, राहुल बोस, गुलशन ग्रोवर, सुहेल नख्यर, मुकुल देव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद, रघुबीर यादव, सुप्रिया पिलगांवकर और स्मिता तांबे जैसे कलाकार हैं। ‘उड़ता तीर’ 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



‘तू है मेरी किरण’ फिल्म में साथ नजर आएंगे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द ‘तू है मेरी किरण’ फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब



कपल बहुत जल्द फिल्म ‘तू है मेरी किरण’ में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें घूर रहे हैं।

फिल्म ‘तू है मेरी किरण’ का फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की ट्रोलिंग शुरू हो गई। यूजर्स ने फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह के कमेंट्स किये। एक यूजर ने लिखा, ‘सुपर पलॉप होगी मेरे शब्द याद रखना।’ वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, ‘क्या सच में आपके लगता है कि इस तरह की फिल्म कोई देखेगा।’

यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्स एल में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पलॉप हो गई थी।



‘दृश्यम 3’ के लिए इमोशनल हुई शिवालिका ओबेरॉय

अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर की फिल्म ‘दृश्यम 3: द कन्वल्ज’ रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की पत्नी और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने पति पर गर्व जताते हुए कहा कि इस फिल्म के पीछे कड़ी मेहनत और कई जागी रातें भी हैं। अभिनेत्री ने इस्टाग्राम पर सेंट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह इस सफर को करीब से देख पाई, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है और साथ ही फिल्म में परिवार के एंगल के मजबूत होने का भी इशारा किया। अभिनेत्री ने लिखा, ‘मैंने उस सपने को पूरा होते हुए देखा है, कड़ी मेहनत, बिना सोई रातों और उसके पीछे का जज्बा भी देखा है। दुनिया वो देखेगी, जो मैं अब तक देखती आ रही हूँ और अगर आपने ‘दृश्यम’ देखी है, तो आप जानते ही हैं, जब परिवार की बात आती है, तो मेरे पति कोई मजाक नहीं करते।’ अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।



मोहित सूरी की नई फिल्म में फिर साथ आ रहे अहान और अनीत

फिल्म ‘सैयारा’ से सिनेमाघरों में धूम मचा चुकी अनीत पट्टा अहान पांडे की जोड़ी एक बार फिर से साथ नजर आने के लिए बिल्कुल तैयार है। मजेदार ये है कि फिर से ये दोनों किसी और की नहीं बल्कि मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म में फिर से साथ दिखेंगे।

साल 2025 की हिट रोमांटिक फिल्म ‘सैयारा’ से रातों-रात स्टार बने अहान पांडे और अनीत पट्टा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आनेवाली है। मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए दोनों नए कलाकारों को एक बार फिर साथ खींच लाए हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रद्युम्न इस प्रोजेक्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसी के साथ अहान और अनीत की इस फिल्म को साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी हो रही है। मोहित सूरी की फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। ‘वरायटी इंडिया’ की रिपोर्ट के मुताबिक, सूरी की



अगली निर्देशित फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू करने की प्लानिंग हो चुकी है। वहीं अहान पांडे और अनीत पट्टा की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि मेकर्स इस फिल्म का नाम ‘सतरंगा’ रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रड्यूसर्स की ओर से टाइटल को लेकर अभी तक कोई कन्फर्मेशन नहीं है।

फिल्म का टाइटल ‘टी-सीरीज’ के तहत रजिस्टर हो चुका है रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि फिल्म का टाइटल ‘टी-सीरीज’ के तहत रजिस्टर हो चुका है, लेकिन प्रोडक्शन ने अभी तक ऑफिशियली इसकी घोषणा नहीं किया है। इसलिए इस बात की जानकारी फिलहाल नहीं है कि फिल्म का नाम फाइनली ‘सतरंगा’ ही है या कुछ और। इस प्रोजेक्ट की ऑफिशियल घोषणा अप्रैल में की गई थी, जिसमें स्टूडियो ने इसे एक बेहतरीन लव स्टोरी ही बताया था।

इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना
‘सैयारा’ बनाने वाले अक्षय विधानी इस फिल्म से जुड़े हैं और इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अब खबर आई है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि ये आम लव स्टोरी से काफी अलग और कहीं अधिक लाजवाब होगी।

मोहित सूरी की ये नई फिल्म ‘सैयारा’ का सीक्वल नहीं है यहा ये भी कहा गया है कि मोहित सूरी की ये नई फिल्म ‘सैयारा’ का सीक्वल नहीं है बल्कि ये एक नई और अलग तरह की फिल्म होगी। फिल्म ‘सैयारा’ से अहान की वतौर लीड होरो एक्टिंग करियर की शुरुआत हुई।